

THURSDAY, FRIDAY, 23/12/2011

# city भास्कर



## दूटा-शिव-धनुष, मिले सिद्धा को राम

वर्ल्ड रामायण कॉन्फेस - दिल्ली के व इंटरनेशनल सेंटर फॉर  
रामायण के कार्यक्रमों में ही प्रस्तुति, 'कवकली गुरु' और  
'मणिप्रसन्न भाव' से अर्चित किया गया स्वयंसेवा का दृश्य





### एसी स्कूलों से राम नहीं निकलेंगे

पारसी विद्यालय भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन वाले युवाओं को शिक्षा देने के लिए राम की स्मृति में एक स्कूल खोलने की योजना है। राम की स्मृति में एक स्कूल खोलने की योजना है। राम की स्मृति में एक स्कूल खोलने की योजना है।

## 12वीं पास बनाकर राम को पहुंचाते हैं यूथ तक

युवा पीढ़ी राम की स्मृति में एक स्कूल खोलने की योजना है। राम की स्मृति में एक स्कूल खोलने की योजना है। राम की स्मृति में एक स्कूल खोलने की योजना है।



श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत

### 56 उम्र पर खनी है नीत रामायण

श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत

## बताया यह भी

श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत

श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत

श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत

श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत

श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत

## 75 घंटे का रामायण उद्विग्न

श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत

### राम की 25 चर्चियां

श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत श्री रामायण के नाटक अन्तर्गत





# दिव्यांगों ने ब्रेल लिपि में पढ़ा सुंदरकांड, कथक से श्रीराम की मोहक स्तुति

श्रीम कथक पीठ के कलाकारों ने मानस भवन में श्रीराम स्तुति और हनुमान चालीसा पर कथक की प्रस्तुति दी



**इनकी रही उपस्थिति**

श्रीम कथक पीठ के अध्यक्ष के उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में विजयलक्ष्मी देवराज, अशोक जी सिन्हा, मन्मथिनी देवी, डॉ. एम. शंकर, ललाट कुंज, अशोक सिन्हा, वैजयंती सिन्हा, सुभाष सुभाष, विजय देव, विजयलक्ष्मी देव, अशोक जी देव, सुभाष देव आदि उपस्थित रहे।

**बनारस।** ललाट सिन्हा

श्रीम कथक पीठ के अध्यक्ष के उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में विजयलक्ष्मी देवराज, अशोक जी सिन्हा, मन्मथिनी देवी, डॉ. एम. शंकर, ललाट कुंज, अशोक सिन्हा, वैजयंती सिन्हा, सुभाष सुभाष, विजय देव, विजयलक्ष्मी देव, अशोक जी देव, सुभाष देव आदि उपस्थित रहे।

श्रीम कथक पीठ के अध्यक्ष के उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में विजयलक्ष्मी देवराज, अशोक जी सिन्हा, मन्मथिनी देवी, डॉ. एम. शंकर, ललाट कुंज, अशोक सिन्हा, वैजयंती सिन्हा, सुभाष सुभाष, विजय देव, विजयलक्ष्मी देव, अशोक जी देव, सुभाष देव आदि उपस्थित रहे।



श्रीम कथक पीठ के अध्यक्ष के उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में विजयलक्ष्मी देवराज, अशोक जी सिन्हा, मन्मथिनी देवी, डॉ. एम. शंकर, ललाट कुंज, अशोक सिन्हा, वैजयंती सिन्हा, सुभाष सुभाष, विजय देव, विजयलक्ष्मी देव, अशोक जी देव, सुभाष देव आदि उपस्थित रहे।

श्रीम कथक पीठ के अध्यक्ष के उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में विजयलक्ष्मी देवराज, अशोक जी सिन्हा, मन्मथिनी देवी, डॉ. एम. शंकर, ललाट कुंज, अशोक सिन्हा, वैजयंती सिन्हा, सुभाष सुभाष, विजय देव, विजयलक्ष्मी देव, अशोक जी देव, सुभाष देव आदि उपस्थित रहे।









# पत्रिका

Jalandhar, Monday

19/12/2016

वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस : कला प्रदर्शनी में दिल्ली देश-विदेश की अनूठी शैली

## बोल उठीं सात समंदर पार से आईं पेंटिंग

World  
॥ Ramayana ॥  
Conference

दोस्त जीसरो राजा जसका। असतन खड़े लीनक। रानी  
अधमकूक पारती से निरकलन कलन और उसमें से लीकली का  
प्रकटपद। इली के साथ रानी अधमिल मुदा में आ गए।  
असके पोरे पर भी अधमिल भवा हीने, रात समंदर पार से  
आई इल पेंटिंग को देखाकर। सीता स्वयंवर, सुजीव का  
राजीवकर, राजीवनी बुटी, अरुणोदय यज्ञ जैसे इतने को  
16वीं-17वीं सदी की मुरार, काट कर पेंटिंग में साने  
जीवन का दिया हो। वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस के रात सीता  
को सानत भवन के सामने झीरा जहाँ राष्ट्रीय कला केन्द्र  
की प्रदर्शनी में लोग कला का अनुभव देखते ही रह गए।





वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस : मानस भवन में हिन्दी के पहले मौखिक नाटक का मंचन

## हृदय को छू गए 'आनंद रघुनंदन'

विश्वी रिपेरेट, जलमयू- नदी का तारा तार है। सुनकर यह वाक्य खोलने को सुनकर रोते हैं। जति बलि से यह वाक्य है कि जगत् ही अनेक सुन्दरत नाम का एक वाक्य बिलेप और इस एक वा-नदी बिलेप से वाक्य का अर्थ होत है। पौराणिक और आधुनिक वाक्योत्तर के अन्तर्गत मानस भवन में वाक्य 'अनेक सुन्दरत' का मंचन हुआ। रामायण पौराणिक के अन्तर्गत अनेक रूप इस वाक्य की कथा कहते रामायण पर आधुनिक भी, विश्वी रामायण का यह भी कि इसमें पार्श्व के एक पुरुष ने शोक, शोककारी से। बलिसे वाक्य में प्रथम इस वाक्य में बलिपत्रों की संस्कृति की शोक बन्द दिखाने से। वाक्य को शोक और विषमत्व सिद्ध ने किष्क है, जिसे हिन्दी का पौराणिक वाक्य होने का दर्जा मिलता है। वाक्य विद्वान् रामायणोत्तर के विद्वान् रामायण पौराणिक ने किष्क है। बलिसे वाक्य के अन्तर्गत मानस भवन में वाक्य 'अनेक सुन्दरत' का मंचन हुआ। रामायण पौराणिक के अन्तर्गत अनेक रूप इस वाक्य की कथा कहते रामायण पर आधुनिक भी, विश्वी रामायण का यह भी कि इसमें पार्श्व के एक पुरुष ने शोक, शोककारी से। बलिसे वाक्य में प्रथम इस वाक्य में बलिपत्रों की संस्कृति की शोक बन्द दिखाने से। वाक्य को शोक और विषमत्व सिद्ध ने किष्क है, जिसे हिन्दी का पौराणिक वाक्य होने का दर्जा मिलता है। वाक्य विद्वान् रामायणोत्तर के विद्वान् रामायण पौराणिक ने किष्क है। बलिसे वाक्य के अन्तर्गत मानस भवन में वाक्य 'अनेक सुन्दरत' का मंचन हुआ।

### राम बने 'दिलकारी' टकन 'दिलकारी'

वाक्य की लक्ष्मी अनेक नाम का है। इसमें न ही एक ही किष्क का न रामायण का, न रामायण के अन्तर्गत अनेक नाम का अर्थ होत है। पौराणिक और आधुनिक वाक्योत्तर के अन्तर्गत मानस भवन में वाक्य 'अनेक सुन्दरत' का मंचन हुआ। रामायण पौराणिक के अन्तर्गत अनेक रूप इस वाक्य की कथा कहते रामायण पर आधुनिक भी, विश्वी रामायण का यह भी कि इसमें पार्श्व के एक पुरुष ने शोक, शोककारी से। बलिसे वाक्य में प्रथम इस वाक्य में बलिपत्रों की संस्कृति की शोक बन्द दिखाने से। वाक्य को शोक और विषमत्व सिद्ध ने किष्क है, जिसे हिन्दी का पौराणिक वाक्य होने का दर्जा मिलता है। वाक्य विद्वान् रामायणोत्तर के विद्वान् रामायण पौराणिक ने किष्क है। बलिसे वाक्य के अन्तर्गत मानस भवन में वाक्य 'अनेक सुन्दरत' का मंचन हुआ।











# दुर्लभ चित्रों से हुआ रामायण का चित्रण

## वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस- 'रामनगर इन किजुअल आर्ट' प्रदर्शनी प्रारंभ



विश्व का सर्व प्रथम रामायण चित्रण के लिए दुर्लभ चित्रों का उपयोग करते हुए, रामनगर पर आयोजित दुर्लभ चित्रों की प्रदर्शनी शुरू हुई।

सहजानगर | अजय कुमार

21 दिसंबर से शुरु हो रही पहली रामायण प्रदर्शनी के लिए सहजानगर पर आयोजित चित्रों की प्रदर्शनी का शुभारंभ सोमवार को किया गया। सहजानगर की असीम मेधावती ने विश्व रामायण का एक ऐसा चित्रण बना कर इसे दुर्लभ चित्रों से प्रदर्शित किया। चित्रों के माध्यम से रामायण की कहानी को प्रस्तुत किया गया है।

24 तक चलने वाली इस प्रदर्शनी को देखने वालों की संख्या बढ़ती चलेगी। यहां रामायण के अनेक हीरो-हीरोइन का चित्रण किया जा रहा है। चित्रों के माध्यम से रामायण की कहानी को प्रस्तुत किया गया है।



के चित्रों को भी प्रदर्शित कर रहा है। चित्रों के माध्यम से रामायण की कहानी को प्रस्तुत किया गया है। चित्रों के माध्यम से रामायण की कहानी को प्रस्तुत किया गया है।

### नर्मदा कलाश्रम की स्थापना आज

सर्व प्रथम रामायण चित्रण के लिए सोमवार को सहजानगर में शुरुआत कर रहे हैं। चित्रों के माध्यम से रामायण की कहानी को प्रस्तुत किया गया है। चित्रों के माध्यम से रामायण की कहानी को प्रस्तुत किया गया है।

सर्व प्रथम रामायण चित्रण के लिए सोमवार को सहजानगर में शुरुआत कर रहे हैं। चित्रों के माध्यम से रामायण की कहानी को प्रस्तुत किया गया है। चित्रों के माध्यम से रामायण की कहानी को प्रस्तुत किया गया है।

### 300 साल पुरानी भी

पुरानी चित्रण आज दुर्लभ चित्रों के माध्यम से रामायण की कहानी को प्रस्तुत किया गया है। चित्रों के माध्यम से रामायण की कहानी को प्रस्तुत किया गया है। चित्रों के माध्यम से रामायण की कहानी को प्रस्तुत किया गया है।

## मंदाकिनी दीदी का स्वागत

दुर्लभ चित्रों के माध्यम से रामायण की कहानी को प्रस्तुत किया गया है। चित्रों के माध्यम से रामायण की कहानी को प्रस्तुत किया गया है।



विश्व रामायण कॉन्फ्रेंस की असीम मेधावती ने विश्व रामायण का एक ऐसा चित्रण बना कर इसे दुर्लभ चित्रों से प्रदर्शित किया। चित्रों के माध्यम से रामायण की कहानी को प्रस्तुत किया गया है।

## सुंदरकांड पद्य का आभोजन

सर्व प्रथम रामायण चित्रण के लिए सोमवार को सहजानगर में शुरुआत कर रहे हैं। चित्रों के माध्यम से रामायण की कहानी को प्रस्तुत किया गया है। चित्रों के माध्यम से रामायण की कहानी को प्रस्तुत किया गया है।

## मगवान से जोड़ती है गीता

सर्व प्रथम रामायण चित्रण के लिए सोमवार को सहजानगर में शुरुआत कर रहे हैं। चित्रों के माध्यम से रामायण की कहानी को प्रस्तुत किया गया है। चित्रों के माध्यम से रामायण की कहानी को प्रस्तुत किया गया है।





# Mayor inaugurates Indira Gandhi Kala Kendra expo

■ Staff Reporter

THE exhibition from Indira Gandhi Kala Kendra (IGKK) Delhi was inaugurated on the occasion of World Ramayana Conference.

Mayor Swati Godbole inaugurated the exhibition by cutting the ribbon and lighting the traditional lamp. The representatives of Indira Gandhi National Arts Centre Professor Veerendra Bhangu informed about the pictures displayed in the exhibition, he said that the pictures based on Ramayana were not only from India but also from other parts of the world which have been displayed on the World Ramayana Conference. Some of them are three hundred years old. This exhibition would remain open till 8 pm from December 25. The glimpses of the Ramacharitamam written by Goswami Tulsiadas, Valmiki Ramayana of Sanskrit, Molla poets' Telugu Ramayana, Malayalam Adhyatma Ramayanam of Bancharanaiswami/Vanchichan



Ramnarayan in visual arts exhibition being inaugurated by guests.

, Cambod's East Ramayana, Ram Artisans of Cambodia based pictures were also displayed in the exhibition.

The organising committee's Former Minister Ajay Vishnoi, Vice President Anrendra Narayan, Ashok Manodhyay,

Organising Secretary Dr Akhilesh Gumatia, Acharya Krishnakant Chaturvedi, Shurad Kabra, Exhibition Incharge Vinod Dubey, Justice Parikaj Gant, Bharatiya Janata Party State Vice President Vinod Gantiya, Dr Neelanjana Pathak, Alka Vishnoi, Sadhana

Gumasta, Priya Vaipaveer, Rajani Yadav, Kailash Agrawal, Ramakrishna Upadhyaya, Ramashankar Kataru, Shurad Fauzdar, Shurad Dubey, Ajay Tharai, Praveesh Khoda, Yogesh Choubey, Deepak Pichouari, Sanjay Yadav, Dinesh Mishra, Hareesh Manodhyay and other members of welcome committee were also present on the occasion. After the organisation of exhibition, Dr Akhilesh Gumatia conducted the meeting of all the members and gave guidance for shouldering responsibilities handed over to them for organising the next programme.

The Maa Narmada Kalash Stapanam will be held on Tuesday from 4.30 pm, the religious discourses of Swami Shyamdasacharya Maharaj based on World Ramayana Convention concept from 5.30 pm to 6.30 pm, Swami Akhileshswarand's religious discourses based on importance of cow in Ramayana from 6 pm to 6.30 pm would be organised.

(Continued on page 4)

## FROM THE FRONT PAGE

### Mayor inaugurates IKFF...

Besides, the National School of Drama would present the play 'Anand Raghunandan' based on Ramayana from 8.45 pm to 9.45 pm. The President of committee, vice president, secretary and members have appealed everyone to attend the programme.

## New facts about Ramayana come to light during World Conference

■ By Ashish Rajput

WORLD Ramayana Conference has explored many new facts about Ramayana with its global appearance. Ramayana has gone beyond Hinduism with findings of its historic artefacts in other countries too. Several research papers presented by delegates from different countries proved significance of Ramayana in several countries across the world. Researchers presented documents and artefacts depicting pictures of Ramayana in form of paintings and sculptures in different countries like South Africa, Mauritius, Malaysia, Indonesia, China and other South-East Asian countries.

"Compilation of several research papers from delegates confirmed that Ramayana has gone beyond the Hindu culture as it is followed by several religions in different countries. Ramayana is linked with bhajans and kirtans in India and motive of World Ramayana Conference is to bring Ramayana from Chhapal to United Nations.

Indian Diaspora has spread to America and South Africa. Ramayana has registered its global presence scientifically and historically. Several researchers confirmed that Ramayana existed before centuries of civilisation," says Dr



A panel sketch in Etruscan cave in Italy depicts the story of the abduction of Sita by Ravana. Centre: Dead deer 'Marich' and a tussle between Ravana and Sita. On the right Ravana taking Sita to Lanka via aerial-route depicted by winged-horse. Left: The bird 'Jatayu' who was slain by Ravana.

Akhilesh Gurusami, Organising Secretary of World Ramayana Conference.

Dr Gurusami, while talking to 'The Hitavada', informed that UNESCO authorities were contacted to send their observers during the conference to show their significance of Ramayana but delegates could not reach India due to Christmas vacations. A compiled report of the event will be forwarded to UNESCO to inform about significance of Ramayana in United Nations.

Principal Secretary (Culture), Madhya Pradesh, Manoj Shrivastava (IAS) informed that sculptures of Ramcharit Manas

in caves of Etruscan in Italy and walls of Angkor Wat in Cambodia confirmed the global presence of Ramayana. He expressed the need of framing national cultural policy for better promotion of Indian culture around the globe. Indira Gandhi National Centre for Arts, New Delhi, Professor, Viendra Bangroo exhibited several photographs of ancient manuscripts, paintings and sculptures collected from Raja Mahal of Thailand, British Library, London belongs to 1712 AD to 15th century, Victoria and Albert Museum from 1890 AD and several other countries during the conference.

## वर्ल्ड रामायण कांफ्रेंस में आर्ट प्रदर्शनी का किया गया उद्घाटन

दृष्यग रिपोर्टर **जबलपुर**

संस्कारधानी में अर्थात्गत वर्ल्ड रामायण कांफ्रेंस में इंदिरा ज्योती राष्ट्रीय कला केन्द्र दिल्ली से आर्ट प्रदर्शनी का उद्घाटन रविवार को मानव भवन के पास हर्ष फेरिया की हवेली में शीघ्र प्रस्तावित कर साक्षर डॉ. स्वर्णि सोहसेले ने किया। इस अवसर पर इंदिरा ज्योती राष्ट्रीय कला केन्द्र से प्रतिनिधि के रूप में आर प्रो. पीरन्द चौरस ने प्रदर्शनी में लगे चित्रों के बारे में बताया कि इसमें भारत ही नहीं पान विश्व के कई भागों में रामायण के ऊपर बनी कई कलाकृतियाँ जिसमें कुछ चीन से लगे पुरानी भी है, का संग्रह इस कला प्रदर्शनी में किया गया है। वर्ल्ड रामायण कांफ्रेंस प्रचार समिति के दिनेश मिश्र ने बताया कि यह कला प्रदर्शनी 25 दिसम्बर तक रात्रि 9 बजे तक खुली रहेगी। उद्घाटन अवसर पर अध्यक्षन अध्यक्ष पूर्ण मोदी अध्यक्ष विमोद, अध्यक्षन सायण, अध्यक्ष



कला प्रदर्शनी का उद्घाटन

प्रदर्शनी के बाद डॉ. सुमरस द्वारा सभी प्रतिनिधि के सदस्यों को बैरत अर्पणित कर सभी को अपना कार्यक्रम में अपने विमोदियों का मित्रता करने के बारे में सर्वदर्शन प्रदान किया गया। आज 19 दिसम्बर को नर्मदा कला की स्थापना द्वारा 4.30 बजे की उत्सव, रात्रि 6 बजे बहरी इण्डोरोसकॉपी में स्थापना का विश्व स्थापना सम्मेलन की आयोजन पर प्रधान, रात्रि अर्पणित इण्डोरोसकॉपी स्थापना का स्थापना में यह का स्थापन विश्व पर प्रदान रात्रि 6.45 से रात्रि 6.45 बजे तक स्थापना पर अर्पणित आरत स्थापना स्टेज को सम्मेलन खुल आरत द्वारा किया जाता। सभी से उपस्थिति की अपील की गई है।

मोदय डॉ. अर्पणित सुमरस, मौर, विमोद पंडित, डॉ. नीलाम सायण कृष्णकॉपी चतुर्वेदी, घर, फाटक, अलख विमोद, सायण रविचन्द्र, सार सायण, प्रदर्शनी सुमरस, प्रति सायणों अर्पणित चरारी विमोद दुबे, अर्पणित संकन उपस्थिति रही।

# 'Ramayana symbolises social, religious integration of India'

■ "Several manuscripts in different forms and languages, available right from Jammu and Kashmir to Kanyakumari, are perfect example of integrated country since ages. Indian art and culture has been influenced by Ramayana and its impact can be felt in South East Asia," believes Professor Virendra Bangroo, Indira Gandhi National Centre for Arts, New Delhi.



One of the rare manuscripts of Ramayana.

■ By Ashish Ruggat

"RAMAYANA is the symbol of social and religious integration of India. Several manuscripts in different forms and languages, available right from Jammu and Kashmir to Kanyakumari, are perfect example of integrated country since ages. Indian art and culture has been influenced by Ramayana and its impact can

be felt in South East Asia," believes Professor Virendra Bangroo, Indira Gandhi National Centre for Arts, New Delhi.

**Prof Virendra Bangroo**  
 (Pic by Anil Thakur)



was talking to 'The Hitavada' during his arrival in the city for exhibition 'Ramayana in Virtual Art' to be organised during World Ramayana Conference.

**M a d h y a**

Pradesh is also rich in terms of art, culture and heritage. Good Ramayana script is the essence of Gandhiana empires and several sculptures of Kutchhri dynasty are depicting several aspects of Ramayana. There is an urgent need of proper protection. (Contd on page 6)









## Mayor inaugurates Indira Gandhi Kala Kendra expo

■ Staff Reporter

THE exhibition from Indira Gandhi Kala Kendra (IGKK) Delhi was inaugurated on the occasion of World Ramayana Conference.

Mayor Swati Godbole inaugurated the exhibition by cutting the ribbon and lighting the traditional lamp. The representatives of Indira Gandhi National Arts Centre 'Prayash' Viveendra Bhatnagar informed about the pictures displayed in the exhibition, he said that the pictures based on Ramayana were not only from India but also from other parts of the world which have been displayed on the World Ramayana Conference. Some of them are three hundred years old. This exhibition would remain open till 8 pm from December 25. The glimpses of the Ramacharitra written by Goswami Tulasidas, Valmiki Ramayana of Sanskrit, Molla poets Telugu Ramayana, Malayalam Adhyatma Ramayanam of Ratchatanarasana/Samichan



Rammagar in visual arts exhibition being inaugurated by guests.

, Cariban's Tamil Ramayana, Ram Artavan of Cambel based pictures were also displayed in the exhibition.

The organising committee's Former Minister Ajay Vishnoi, Vice President Amrenda Narayan, Ashok Manodhyay,

Organising Secretary Dr Akhlesh Gomasia, Acharya Krishnakant Chaturvedi, Shazad Kabra, Exhibition Incharge Vinod Dubey, Justice Pankaj Gaur, Bharatiya Janata Party State Vice President Vinod Gontiya, Dr Neelrajana Parthak, Alka Vishnoi, Sadhana

Gomasta, Prii Vajpayee, Rajani Yadav, Kailash Agrawal, Ramkrishna Upadhyaya, Ramashankar Katari, Shazad Farzad, Shazad Dabey, Ajay Tiwari, Pransh Khoda, Yogesh Choubey, Deepak Pachouri, Sanjay Yadav, Dinesh Mishra, Hitesh Manodhyay and other members of welcome committee were also present on the occasion. After the organisation of exhibition, Dr Akhlesh Gomasia conducted the meeting of all the members and gave guidance for shouldering responsibilities handed over to them for organising the next programme.

The Maa Narmada Kalash Sthapana will be held on Tuesday from 4.30 pm, the religious discourses of Swami Shyamdevacharya Maharaj based on World Ramayana Conventions concept from 5.30 pm to 6.30 pm, Swami Akhleshwaranshi's religious discourses based on importance of cow in Ramayana from 6 pm to 6.30 pm would be organised.

(Contd on page 4)

### FROM THE FRONT PAGE

#### Mayor inaugurates IKFF...

Besides, the National School of Drama would present the play 'Anand Bhagwanandai' based on Ramayana from 6.45 pm to 8.45 pm. The President of committee, vice president, secretary and members have appealed everyone to attend the programme.



# World Ramayana Conference begins today

■ Staff Reporter

WORLD Ramayana Conference will be inaugurated in a grand ceremony by Dr. Krishna Gopal, Sahi Sankaryambhak and Chief Minister Shri Raj Singh Chouhan at Manas Bhawan Auditorium on Wednesday, 1:30 pm.

The historic programme will be inaugurated in the special presence of Sundarand Patwa, Cultural Minister and several other dignitaries.

First phase of the two days conference will be organised from 5 pm to 8:30 pm in the presence of Chairman Dr. Suryaraj Shastri, Dr. Shrirang Poothappa (Thailand), Dr. Anand Ganesha (retired), G. D. Bhatia, Dr. Rajendra Singh, Ashish Kulkarni, S. S. Manodhya.

Thereafter, Geeta Ramleela Samiti will present Ravan Banasur Sattrud. The religious programme will be followed by performance of international reputed Ramleela Ballet Troupe.



Organising committee members honouring the members of organisation at Manas Bhawan.

Besides, several religious and social organisations and students of Ananya Blind School were honoured for recitation of one lakh Sundarand Paath for success of World Ramayana Conference on Tuesday.

Publicity Incharge Harish

Mahodhya and Binesh Mishra informed that several religious and social organisations started Sundarand Paath on November 13 for success of World Ramayana Conference.

Students of Ananya Blind School also assisted the organi-

sation in completing one lakh Sundarand Paath.

Sundarand Incharge, Vinod Dubey informed that along with city, Sundarand Paath were organised in Thailand, America, Bangkok, Tokyo, Chicago, South Africa, Maharashtra, Uttar

Pradesh, Bihar, Rajasthan, Delhi and Gujarat, Jhopsa, Hoshangabad, Bahughat, Piparia, Gadarwara, Karli, Narvinghpur, Katni, Damoh, Satna, Rewa and other places. Postmaster of Sundarand Paath was organised at venue of World Ramayana Conference, Manas Bhawan.

On the occasion, members of several organisations and students of Ananya Blind School were honoured with certificates by the Organising President and former Cabinet Minister Ajay Vishnoi, Secretary Dr. Akhilesh Gurnasta, Vice-President Ashok Manodhya, Anandha Nataraj, Acharya Krishnakant Chaturvedi, Kailash Gupta, Mayor General (retired) G. S. Sakshi and others.

In second phase of the programme, Indian Education Board, National Organisation Secretary Mukul Kantikar, author of several religious books and lifestyle-delivered a lecture while noted Ashy Manika and his team presented Geet Ramayana.

वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस में हुए स्वामी राजेश्वरानंद के प्रवचन

# भगवान को पाना भक्ति का विज्ञान



स्वामी राजेश्वरानंद, आमरापुर

विज्ञान सहस्रशतनाम प्राप्त हुआ

कल्पवृक्षास साधना 12 से

भगवान को जानने ज्ञान है और ज्ञान धर्म का विज्ञान है। न केवल न ब्रह्मचर्य जहां से भगवान को प्राप्त करने का उपाय है, बल्कि ज्ञान के द्वारा ही भगवान को जानने का उपाय है। ज्ञान के द्वारा ही भगवान को जानने का उपाय है, न केवल न ब्रह्मचर्य जहां से भगवान को प्राप्त करने का उपाय है, बल्कि ज्ञान के द्वारा ही भगवान को जानने का उपाय है।

जब ज्ञान के द्वारा भगवान को जानने का उपाय है, न केवल न ब्रह्मचर्य जहां से भगवान को प्राप्त करने का उपाय है, बल्कि ज्ञान के द्वारा ही भगवान को जानने का उपाय है। ज्ञान के द्वारा ही भगवान को जानने का उपाय है, न केवल न ब्रह्मचर्य जहां से भगवान को प्राप्त करने का उपाय है, बल्कि ज्ञान के द्वारा ही भगवान को जानने का उपाय है।

इसके पूर्व कुछ 8,30 करोड़ लोगों की संख्या थी और अब इस संख्या में वृद्धि हुई है। इस वृद्धि के कारण ही भगवान को जानने का उपाय है, न केवल न ब्रह्मचर्य जहां से भगवान को प्राप्त करने का उपाय है, बल्कि ज्ञान के द्वारा ही भगवान को जानने का उपाय है।

इसे सुनकर अनेक लोगोंने भी वैश्व धर्मिक संस्थाओं में भाग लेने का फैसला किया है। इस संस्था में भगवान को जानने का उपाय है, न केवल न ब्रह्मचर्य जहां से भगवान को प्राप्त करने का उपाय है, बल्कि ज्ञान के द्वारा ही भगवान को जानने का उपाय है।

## नव साल के पहले दिन निकरनेमी कलस शोभायात्रा

हर साल की तरह इस साल भी नवसाल के पहले दिन निकरनेमी कलस शोभायात्रा का आयोजन किया गया है। इस शोभायात्रा में भगवान को जानने का उपाय है, न केवल न ब्रह्मचर्य जहां से भगवान को प्राप्त करने का उपाय है, बल्कि ज्ञान के द्वारा ही भगवान को जानने का उपाय है।

इसके अलावा भगवान को जानने का उपाय है, न केवल न ब्रह्मचर्य जहां से भगवान को प्राप्त करने का उपाय है, बल्कि ज्ञान के द्वारा ही भगवान को जानने का उपाय है।

इसके अलावा भगवान को जानने का उपाय है, न केवल न ब्रह्मचर्य जहां से भगवान को प्राप्त करने का उपाय है, बल्कि ज्ञान के द्वारा ही भगवान को जानने का उपाय है।

# Ramayana is a complete science of solving every problem: CM

## Chief Minister Shivraj Singh Chouhan inaugurates World Ramayana Conference



CM, Shivraj Singh Chouhan addressing the inaugural ceremony of World Ramayana Conference.



Guests releasing a souvenir 'The Hymns of Himalaya' at Manas Bhawan.

(Pic by Anil Thapar)

■ Staff Reporter

"Lord Sri Ram lives in the body and soul of every person and is embodied existence. The epic Ramayana is a complete science of solving every problem around the globe," says Chief Minister Shivraj Singh Chouhan.

Chouhan was addressing the inaugural ceremony of World Ramayana Conference at jam-packed Manas Bhawan auditorium on Wednesday.

Addressing the programme, Shivraj Singh Chouhan added that Ramayana is the means of feeding moral values in this materialistic world and bringing human beings to living 'dharma', brotherhood and 'ahimsa'. He mentioned about 'Namasai Devi Narmada'

## 'Narmada river conservation needs effort of every section of society'

■ Staff Reporter

Chief Minister, Shivraj Singh Chouhan termed the 'Namasai Devi Narmada' Narmada Seva Yatra as one of the biggest campaigns for environment protection in the world. 20 percent of irrigation relies on river Narmada and its conservation needs collaborative efforts from every section of society.

Shivraj Singh Chouhan was talking to media on the sidelines of inaugural ceremony of World Ramayana Conference at Manas Bhawan, on Wednesday. Chief Minister applauded the initiative of organising World Ramayana Conference with the participation of researchers and thinkers from different countries. The mega event will disclose several unknown facts of Ramayana to inform about its significance to common public. It will encourage public to grasp knowledge from Ramayana for solving problems and hold moral values in the society and coming generation.

The State Government will protect and develop Rampath passing through the State to support the campaign of Central Government for identifying Rampath. Chief Minister, Shivraj Singh Chouhan extended appeal towards residents and eminent persons of the society for spreading message of cleanliness of river Narmada and ensuring their active participation in 'Namasai Devi Narmada' Narmada Seva Yatra for success of campaign and protecting environment.

Narmada Seva Yatra will spread the river as a symbol of brotherhood. However, disappointment over shrinking flow of river Narmada that it is lifeline of Madhya Pradesh and emphasised the need of collaborative efforts for its conservation.

People have used river and encroached banks of river Narmada for their vested interests. The State Government has taken up the task, for intensive plantation at the banks of river Narmada and removing encroachments to revive the

original form of Almighty river. Sewage treatment plants and filters will be established to avoid churning of sewage water into the river. Acid rain will be completely prohibited at the banks of river Narmada and liquor shops will be removed near the

river. People have committed the success of Narmada Seva Yatra and eminent personalities need to ensure their contribution for this king environmental threat.

Speaking on the occasion, Rashtrapati Sanyasini Devi Singh, Sahi Sankaravada, Dy

Krishnapal said, life of Maryada Parashakti Ram has deeply inspired the human and any region and language is not spared, where sign of Ram does not exist. Sign of Ramakatha has combined the persons from one to another generation since thousands of years. The epic of Mahabharat Vedic 'Ramayana' written thousands of years back, has been translated in different languages, but its knowledge is still significant to solve problems. Culture Minister, Suresh Parua congratulated the organisers of World Ramayana Conference and termed it a unique event and assured them of accelerating the process to make the young generation aware about the significance of Ramayana.

Earlier, guests inaugurated the World Ramayana Conference by lighting traditional lamps and the

(Contd on page 4)

















## Indo-Thai Ramayana Forum takes shape to strengthen ties

■ By Ashish Rajput

INITIATING a giant leap towards academic and cultural exchange between India and Thailand 'Indo-Thai Ramayana Forum' was constituted during World Ramayana Conference. The Forum will prove a milestone for cultural and academic exchange between two countries and finding out hidden facts of Ramayana. Indo-Thai Ramayana Forum was shaped during its third meeting organised during World Ramayana Conference at Manas Bhawan in Jabalpur. Structure was already prepared to constitute the Forum in two previous meetings held in Bangkok. World Ramayana Conference Convenor Dr Akhilesh Gurnasta, while talking to 'The Hitavada' informed that Indo-Thai Ramayana Forum has been constituted to share knowl-

“ World Ramayana Conference Convenor Dr Akhilesh Gurnasta, while talking to 'The Hitavada', informed that Indo-Thai Ramayana Forum has been constituted to share knowledge on culture and tradition between the two countries ”

edge on culture and tradition between the two countries. This Forum will work to promote cultural values and maintaining a healthy cultural relationship between two nations. Initially, discussions were held to organise annual conferences of the Forum in India during 2017 and in Thailand in 2018. Dr Gurnasta informed that the Forum will organise combined conferences on Ramayana to find out its hidden facts and providing its benefits to coming generations. Besides this, the Forum will also work for academic exchange for exploring new education and

employment opportunities to youngsters. Bani Durgawati University Vice-Chancellor Dr Kapil Deo Mishra and University of Bangkok Vice-Chancellor Dr Srisurang Poothitopya are coordinators of Indo-Thai Ramayana Forum.

Dr Kapil Deo Mishra termed Indo-Thai Ramayana Forum as a major achievement for both the countries for exploring new way of promoting cultures of two countries. Constitution of forum will give pace to promotion of Indian culture in South-East Asia and also prove fruitful to explore new academic opportunities for students.

# Curtains down on historic World Ramayana Conference



Bhajan singer Ushan Meer reciting Ramkatha at Manas Bhawan.

(Pic by N K Budhodi)

## ■ Staff Reporter

RELIGIOUS programmes and discourses marked the conclusion of three-day World Ramayana Conference at Manas Bhawan auditorium on Friday. The grand religious event was organised on the occasion of golden jubilee year of theatrical performance of 'Ramayana' by Ram Leela Samiti, Garha under banner of Brahmachari Mission Samiti. Publicity Secretaries Dinesh Mishra and Harish Manodhya informed that last day of the conference started with recitation of

inspirational kirtan by Ragi group of Gorakhpur, Gorakhpur. In the second phase, research papers were presented by Acharn Kitipong (Thailand), Dr Rajendra Mishra (Bihar), Dr Anarendra Narayan, Shrivastav Kumar Manyan (Garha), Dr Prabhudayal Mishra (Bhopal), Dr Nilesh Oad (USA), Ravirajan, Dr Akhilesh Gumantra (Jabalpur), Dr Rajesh Shrivastava (Bhopal), Dr Sujna Seichampsa (Thailand), Venu Bala (Mauritius), Jeffrey Armstrong (Canada), Dr Krishnakant Chaturvedi (Jabalpur), Professor Balram

Singh (USA), Principal Secretary (Culture), Madhya Pradesh Government, Manoj Shrivastava (IAS).

Delivering lecture, Principal Secretary Manoj Shrivastava termed Dr Akhilesh Gumantra as preacher of World Ramayana Conference. He said that discussions on Ramayana held during this mega event never held on any platform in this modern era. Director of Brancharshi Babu Mission, Sadhvi Gyaneshwari Didi expressed her views on art and intellect, while Dr Manoj Kaulshal (New Delhi) mentioned

MP Rakesh Singh and MP Uday Pratap Singh said that World Ramayana Conference has not concluded but it will continue in different phases. They termed it a historic event and congratulated all the members of organising committee

about Khodja village in Firozabad and gave reference of actor Shaamshad Ali.

Member of Parliament Rakesh Singh and Member of Parliament Uday Pratap Singh said that the World Ramayana Conference has not been concluded but it will be continued in different phases. They termed it a historic event and congratulated the members of organising committee. Thereafter, noted Bhajan singer Ushan Meer recited a melodious Ramkatha.

A fabulous colourful performance of Awasthaidance Holi Khele Raghuraj marked closure of World Ramayana Conference under supervision of Ramleela Samiti Garha, Assistant Director, Manoj Shrivastava, Organising President. Ajay Vishwanath expressed gratitude towards IJNCA, New Delhi, Cultural Department, Madhya Pradesh Government, World Association for Vedic Study, Texas USA, Jabalpur Municipal Corporation and Police Department for their valuable support in organising the programme. Organising Secretary Dr Akhilesh Gumantra expressed gratitude towards foreign and Indian

(Contd on page 4)

## रामायण के हर शब्द का सार आनंद-रघुनंदन

वर्ल्ड रामायण कॉन्फेंस के अंतर्गत मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय द्वारा मंचन



World  
**Ramayana**  
 Conference

विश्व रामायण कॉन्फेंस

जबलपुर में 'रामायण' का सार आनंद-रघुनंदन नाम का कार्यक्रम मंचन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में रामायण के हर शब्द का सार आनंद-रघुनंदन नाम का कार्यक्रम मंचन किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम को मंचन करने में जबलपुर की 'आनंद-रघुनंदन' नाम की एक टीम शामिल है। इस टीम के सदस्यों ने रामायण के हर शब्द का सार आनंद-रघुनंदन नाम का कार्यक्रम मंचन किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में रामायण के हर शब्द का सार आनंद-रघुनंदन नाम का कार्यक्रम मंचन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में रामायण के हर शब्द का सार आनंद-रघुनंदन नाम का कार्यक्रम मंचन किया जा रहा है।

### नाटक की कथा

नाटक रामायण का सार आनंद-रघुनंदन नाम का कार्यक्रम मंचन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में रामायण के हर शब्द का सार आनंद-रघुनंदन नाम का कार्यक्रम मंचन किया जा रहा है।

### खस-खस

खस-खस नाम का कार्यक्रम मंचन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में रामायण के हर शब्द का सार आनंद-रघुनंदन नाम का कार्यक्रम मंचन किया जा रहा है।

# Ramayana is a complete science of solving every problem: CM

## Chief Minister Shivraj Singh Chouhan inaugurates World Ramayana Conference



CM, Shivraj Singh Chouhan addressing the inaugural ceremony of World Ramayana Conference.



Guests releasing a souvenir 'The Hymns of Himalaya' at Manas Bhawan.

(Pic by Anil Tiwari)

### ■ Staff Reporter

"LORD Shri Ram lives in body and soul of every person and is symbol of our existence. The epic Ramayana is itself an unspoken scripture, exhibiting the personality of Lord Ram. Ramayana is not only means of worship, but it is a complete science of solving every problem around the globe," says Chief Minister, Shivraj Singh Chouhan.

Chouhan was addressing the inaugural ceremony of World Ramayana Conference at jam-packed Manas Bhawan auditorium, on Wednesday.

Addressing the programme, Shivraj Singh Chouhan added that Ramayana is the means of finding moral values in this materialistic world and inspiring human beings for being ideal parents, brother and follower. He mentioned about 'Namasani Devi Narmada'

## 'Narmada river conservation needs effort of every section of society'

### ■ Staff Reporter

CHIEF Minister, Shivraj Singh Chouhan termed the 'Namasani Devi Narmada' Narmada Seva Yatra as one of the biggest campaigns for environment protection in the world. 70 percent of irrigation relies on river Narmada and its conservation needs collaborative efforts from every section of society.

Shivraj Singh Chouhan was talking to media on the sidelines of inaugural ceremony of World Ramayana Conference at Manas Bhawan, on Wednesday. Chief Minister applauded the initiative of organising World Ramayana Conference with the participation of researchers and thinkers from different countries. The mega event will disclose several unknown facts of Ramayana to inform about its significance to common public. It will encourage public to grasp knowledge from Ramayana for solving problems and find moral values in the society and coming generation.

The State Government will protect and develop Rampaths passing through the State to support the campaign of Central Government for identifying Rampaths. Chief Minister, Shivraj Singh Chouhan extended appeal towards residents and eminent persons of the society for spreading message of cleanliness of river Narmada and ensuring their active participation in 'Namasani Devi Narmada' Narmada Seva Yatra for success of campaign and protecting environment.

Narmada Seva Yatra and treated the river as symbol of motherhood. He expressed disappointment over slow-shrinking flow of river Narmada that is billion of Madhya Pradesh and emphasized the need of collaborative efforts for its conservation.

People have used trees and encroached banks of river Narmada for their vested interests. The State Government has taken up the task for intensive plantation at the banks of river Narmada and removing encroachments to revive the

original form of Almighty river. Sewage treatment plants and toilets will be established to avoid pouring of sewage water into the river. Addition will be completely prohibited at the banks of river Narmada and liquor shops will be removed near the

river. People have committed the success of Narmada Seva Yatra and eminent personalities need to ensure their contribution for checking environmental issues. Speaking on the occasion, Minister Swagat Kumar Singh, SuB, Barcharyamaha, De

Krishnagopal said, life of Maryada Parashramam Ram has deeply inspired the human mind and any religion and language is not spared, where sign of Ram does not exist. 'Spirit of Ramakatha has combined the persons from one to another generation since thousands of years. The epic of Mahabharat Valmiki Ramayana, written thousands of years back, has been translated in different languages, but its knowledge is still significant to solve problems. Culture Minister, Swamida Patrao congratulated the organisers of World Ramayana Conference and termed it a unique event and assured them of maintaining the process to make the young generation aware about the significance of Ramayana.

Earlier, Gopinathgouda the World Ramayana Conference by lighting traditional lamps amidst (Contd on page 4)